जाओ और शिष्य बनाओ

प्रगतिशील शिष्यता

भाग 2

द्वारा

डोटा

मैनुएल 4

समूह के अगुवों के लिए

तीसरा संस्करण

परिचय

क्या आप यीशु मसीह के शिष्य के रूप में बढ़ना चाहते हैं?
क्या आप दूसरे विश्वासियों की बढ़ने में मदद करना चाहते हैं?

तब आप **शिष्य निर्माण करने के सम्बन्धा में अगुवों के चार मैनुएल** का अधययन, तथा प्राप्त शिक्षाओं का अभ्यास ज़रूर करें।
जिसे आगे को : मैनुएल 1-4 पुकारा जाएगा।

यीशु ने चेले बनाए। उसने लोगों से कहा, ''आओ और देखो' और ' मेरे पीछे हो लो' (यूहन्ना 1:39,43)। आर हर जगह पर लोग यह ही देखने के लिए आते हैं कि उसने किस प्रकार को जीवन व्यतीत किया और किस कारण उसने अपने प्राणों की कुर्बानी दी। संसार भर के सभी राष्ट्रों में लोग उसकी विशेषताओं और उसके कामों के कारण ही उसका अनुसरण करते हैं। उसने उनके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। उसने हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है।

बाद में यीशु ने प्रार्थना के साथ बारह लोगों को चेला बनाने तथा उन्हें तैयार करने के लिए चुना। वह चाहता था कि वे प्रगतिशाील अगुवे 'उसके साथ' समय बिताएं, उसकी बातां को सुने तथा उसके जीवन को ध्यान से देखें, उसके जीवन तथा उसकी सेवकाई का अनुसरण करें(मरकुस 3:13-15)।

दो वर्षो के बाद यीशु ने अपने चेलों को लक्ष्य सौंपा ''जाओ और सारी जाति के लोगों को चेला बनाओ''(मत्ती 28:18-20)। और उन्होंने जाकर यरूशलेम से लेकर जगत क छोर तक के लोगों को अपना शिष्य बनाया। ये चेले उनकी बारी (आने पर और भी अनछुए इलाकों तक गये और उन्होंने अन्य चेले बनाये। जो कुछ उन्होंने सीखा था वह दूसरों को भी सिखाया 2 तीमुथियुस 2:2)। अत: यीशु मसीह के चेले वतमान में सारे देष्ठों में नये शिष्यों को बना रहे हैं।
प्रेरित पौलुस बताते हैं कि यीशु मसीह ने खास मसीहियों को एक काम दिया है।

> ''जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और सेवा का काम किया
> जाए और मसीही की देह उन्नति पाए।'' (इफिसियों 4:11-16)

चार मैनुएल का उद्देश्य मसीही समूह के अगुवे की उसकी देख रेख में रहने वाले दूसरे मसीहियों की यीशु मसीह का चेला बनाने मं सहायता करना है।'एक चेला या शिष्य' परिपक्व मसीही होता है।

यह पाठयक्रम समूह के अगुवे को निम्नलिखित बातों के देने के द्वारा शिष्यों के प्रशिक्षण को प्रयोगात्मक बनाता है:
1.प्रत्येक मैनुएल में बारह अध्याय होते हैं जिन्हें तीन माह के अन्तराल में समाप्त किया जा सकता है।
2. बाइबल के महत्वपूर्ण हवाले विद्यार्थियों की मसीह व बाइबल को जानने में सहायता करते हैं।
3. समूह के अगुवे दिये गये प्रश्नों का उपयोग करें तथा विद्यार्थियों से चचा करने से पहले बाइबल के अनुच्छेद को पढ़ने के लिए बोलें।
4. अधययन सामग्री में हर एक प्रष्ठन के लिए संक्षेप में उत्तर दिये गये हैं। इसके द्वारा अगुवे को मार्गदर्शिका प्राप्त होती है।
5.प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के साथ मिलकर अनुशासन के व्यवहारिक तरीकों का अभ्यास करना सिखाता है।
6.हर एक अधयाय में घर पर तैयार करने के लिए कुछ गृहकार्य होता है, जिसे विद्यार्थियों को दिया जाता है।
7.प्रशिक्षण कार्यक्रम दूसरों तक आगे बढ़ाने के लिए सहज है। 12 अध्याय के इस कोर्स को समाप्त कर लेने के बाद, जो विद्यार्थी दूसरे लोगों क छोटे समूह में इस शिक्षा को बांटेगें, उन्हें अगुवों के लिए तैयार किये गये मैनुएल की एक प्रति दी जाएगी।

हमारी यह प्रार्थना है कि परमेश्वर आपके क्षेत्र में शिष्यों के संख्या को तेज़ी से बढ़ाए और बहुत से लोग यीशु मसीह पर विश्वास करने वाले हो सकें (प्रेरितों 6:7)।

सारी बातों में परमेश्वर को महिमा मिले! 'क्योंकि उसी की ओर से, और उसी के द्वारा और उसी के लिए सब कुछ है। उसकी महिमा युगानयुग होती रहे: आमीन।''(रोमियों 11:36)

डोटा (शिष्यता प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रसारण। यह नाम उस समय की याद दिलाता है जब यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल रेडियो में ही प्रसारित किया जाता था)

1994 (प्रथम संस्करण)
2009 (तीसरा संशोधित संस्करण)

सर्वाधिकार

चारों मैनुएल के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। उन्हें प्रशिक्षण के लिए नि:शुल्क नकल किया जा सकता है, लेकिन उन्हें बिना लिखित अनुमति के बेचा या किसी दूसरी भाषा में अनुवाद नहीं किया जा सकता।

सिफारिश

इस सामग्री को बहुतायत से इस्तेमाल करने तथा लोगों को आशीषित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। लेकिन क्योंकि इन चारों मैनुएल का उद्देश्य मसीहियों को तैयार या प्रशिक्षित करना है, इसलिए यह सुझाव दिया जाता है कि शिष्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के अगुवे जिनती ज़रूरत हो उतनी की प्रतियां बनाएं। जब कोई विद्यार्थी बारह अध्यायों के कोर्स को समाप्त कर ले तब ही उसे मैनुएल की एक प्रति दी जाए और तब ही वह किसी दूसरे व्यक्ति या छोटे समूह को इस कार्यक्रम की शिक्षा दे सकता है।

विषय सूची

समूह के अगुवों के लिए मैनुएल 4

प्रगतिशील शिष्यता -भाग 2

परिचय व सर्वाधिकार

प्रशिक्षण कार्यक्रम 1

3 माह के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम। सप्ताह में डेढ़ से लेकर 2 घण्टे के लिए। समूह 3-10 लोगों तक का ही हो। प्रत्येक कार्यक्रम प्रार्थना के साथ शुरू होकर गृहकार्य देते हुए प्रार्थना के साथ ही समाप्त होता है।

अध्याय 37	आराधना (परमेश्वर की नज़दीकी व उसकी उपस्थिति का अभ्यास करना है)
	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (यहोशू 1-4)
	शिक्षा देना (फलवन्त होना)
अध्याय 38	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (यहोशू)
	याद करना (प्रभुता: रोमियों 12:1-2)
	बाइबल अध्ययन (संसार में धन। 1तीमुथीयुस 6:3-19)
अध्याय 39	आराधना (परमेश्वर की सुनना)
	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समया बिताना (रूत 1-4)
	शिक्षा(मसीही चरित्र । क्षमा करने वाली आत्मा)
अध्याय 40	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (1शमुएल 9,10,12,14)
	याद करना (इनकार करना: लूका 9:23)
	बाइबल अध्ययन (संसार में परीक्षाएं, मत्ती 4:1-11)
अध्याय 41	आराधना (परमेश्वर की प्रसशां करना)
	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना(2 शमुएल 15,17,18,22)
	शिक्षा देना (सम्बन्ध, माता पिता व बच्चों के बीच सम्बन्ध)
अध्याय 42	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (नहेमायाह 4,8,9,10)
	याद करना (सेवा करना:मरकुस 10:45)
	बाइबल का अध्ययन (संसार मे आत्मिक युद्ध। इफिसियो 6:10-20)
अध्याय 43	आराधना (परमेश्वर को धन्यवाद देना)
	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (एस्तर 2,3,4,5)
	शिक्षा (प्रभुता। परमेश्वर की इच्छा को पहिचानना)
अध्याय 44	आराधना (ऐस्तर 6,7,8,9)
	याद करना (देना : 2 कुरिन्थियों 9:6-7)
	बाइबल अध्ययन(संसार में कष्ट। 1 पतरस 2:11-25)
अध्याय 45	आराधना (परमेश्वर की महिमा के लिए जीना)
	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (अय्यूब 1.2.12.14)
	शिक्षा (पवित्र आत्मा: पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाना और परिपूर्ण होना)
अध्याय 46	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (अय्यूब 38,39,40,41,42,)
	याद करना (शिष्य बनाना: मत्ती 28:18-20)
	बाइबल का अध्ययन(संसार में आत्मा के फल। गलातिया 5513-26)
अध्याय 47	आराधना (परमेश्वर व उसकी शिक्षाओं के प्रति खुद को समर्पित करना)
	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (सभोपदेशक 1,2,3,4)
	शिक्षा (अगुवाई। मसीही अगुवे की विशेषताएं)
अध्याय 48	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना(सभोपदेश 5,6,7,8)
	याद करना(शिष्यता से सम्बन्धित पदों का पुनरावलोकन:शिष्यता)
	बाइबल का अध्ययन(संसार में अगुवाई को भावी हाथों में सौंपना। प्रेरितों 20:17-38)
परिशिष्ट 16.	देना। दशमाशं एंव पुराने नियम की व्यवस्था।
परिशिष्ट 17.	मसीही चरित्र। क्रोध व संयम
परिशिष्ट 19.	अगुवापन। मसीही कलीसिया में अगुवेपन का ऐतिहासिक विकास।
परिशिष्ट 20	अगुवाई । नये नियम में डीकन।
परिशिष्ट	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताने, बाइबल अधययन करने, मनन व वचन याद करने का तरीका:
	समूह के अगुवों के लिए मॅनुएल 1 में परिशिष्टों को देखें

प्रशिक्षण कार्यक्रम 2

गहन कार्यक्रम का इस्तेमाल सप्ताह में एक बार पूरे दिन या 6 दिन के गहन प्रशिक्षण सेमीनार के दौरान किया जा सकता है। पूरे समूह को प्रशिक्षित समूह अगुवे के साथ छोटे समूहों में बांट दें। समूह को 3-10 लोगों के बीच ही सीमित रखें।

सुझावित कार्यक्रम

09.00-09.30	आराधाना (सामुहिक)
09.30-11.00	शिक्षा (सामुहिक)
	अन्तराल
11.30-13.00	बाइबल अधययन (सामुहिक)
	अन्तराल
16.00-17.00	शिक्षा या बाइबल अधययन को पूरा करने, प्रश्नों के जवाब देने, या अतिरिक्त शिक्षा के लिए(सामुहिक)
	अन्तराल
17.30-17:45	मनन व वचन याद करना (दो दो के समूह में)
17:45-18:30	बाइबल पठन (अकेले)
18:30-19.00	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय व्यतीत करना (दो दो के समूह में)
19.00-19:45	बांटना और प्रार्थना करना (10 लोगों से कम के समूह में)

दिन 1 (अध्याय 37+38)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर की नज़दीकी व उसकी उपस्थिति का अभ्यास करना है)
शिक्षा देना (फलवन्त होना)
बाइबल अध्ययन (संसार में धन। 1तीमुथीयुस 6:3-19)
याद करना (प्रभुता: रोमियों 12:1-2)
बाइबल पठन (यहोशू 1-4;5:13-8:35)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समया(दो दो के जोड़े में:यहोशू 1-2)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 2 (अध्याय 39+40)
प्रार्थना
आराधना(परमेश्वर की सुनना)
शिक्षा(मसीही चरित्र । क्षमा करने वाली आत्मा)
बाइबल अध्ययन (संसार में परीक्षाएं, मत्ती 4:1-11)
याद करना (इनकार करना: लूका 9:23)
बाइबल पठन (रूत 1-4; 1 शमुएल 9,10,12,14)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समया(दो दो के जोड़े में: रूत 1-2)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 3 (अध्याय 41+42)
प्रार्थना
आराधना(परमेश्वर की प्रसंशा करना)
शिक्षा देना (सम्बन्ध, माता पिता व बच्चों के बीच सम्बन्ध) बाइबल का अध्ययन (संसार मे आत्मिक युद्ध। इफिसियों 6:10-20)
याद करना (सेवा करना:मरकुस 10:45)
बाइबल पठन (2 शमूएल 15,17,18,22,नहेमायाह 4,8,9,10)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समया(दो दो के जोड़े में:नहेमायाह 851-9:12)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 4 (अध्याय 43+44)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर को धन्यवाद देना)
शिक्षा (प्रभुता। परमेश्वर की इच्छा को पहिचानना)
बाइबल अध्ययन(संसार में कष्ट। 1 पतरस 2:11-25)
याद करना (देना : 2 कुरिन्थियों 9:6-7)
बाइबल पठन (ऐस्तर 2-9)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समया(दो दो के जोड़े में: ऐस्तर 3-4)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 5 (अध्याय 45+46)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर की महिमा के लिए जीना)
शिक्षा (पवित्र आत्मा: पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाना और परिपूर्ण होना)
बाइबल का अध्ययन(संसार में आत्मा के फल। गलातिया 5513-26)
याद करना (शिष्य बनाना: मत्ती 28:18-20)
बाइबल पठन (अय्यूब 1.2.12.14.38-42)
परमेश्वर क साथ व्यक्ति समया(दो दो के जोड़े में: अय्यूब 1-2)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 6
(अध्याय 47+48)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर व उसकी शिक्षाओं के प्रति खुद को समर्पित करना)
शिक्षा (अगुवाई। मसीही अगुवे की विशेषताएं)
बाइबल का अध्ययन(संसार में अगुवाई को भावी हाथों में सौंपना। प्रेरितों 20:17-38)
याद करना(शिष्यता से सम्बन्धित पदों का पुनरावलोकन:शिष्यता)
बाइबल पठन (सभोपदेश 1-80)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समया(दो दो के जोड़े में: सभोपदेशक 1-2)
बांटना और प्रार्थना करना ।

सम्भावित अतिरिक्त शिक्षाएं

परिशिष्ट 16.	देना। दशमाशं एंव पुराने नियम की व्यवस्था।
परिशिष्ट 17.	मसीही चरित्र। क्रोध व संयम
परिशिष्ट 19.	अगुवापन। मसीही कलीसिया में अगुवेपन का ऐतिहासिक विकास।
परिशिष्ट 20	अगुवाई । नये नियम में डीकन।